संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–[illegible]–पृष्ठ ..5.... दिनांक..13-4......2021

ऑक्सीजन की कमी से झाली तालाब में मर गई सैकड़ों मछलियाँ

21/5
13-4-21

रतलाम। कोरोना संक्रमण काल में आक्सीजन को लेकर जहा मारा मारी चल रही है और आक्सीजन आपूर्ति के प्रयास किए जा रहे है तो इधर आक्सीजन की कमी के चलते ही झालीतालाब में सैकड़ों मछलिया मर गई। वैसे ऐसा पहली बार नही हुआ।

हर साल ही लगभग ऐसा दृश्य सामने आता है, लेकिन फिर भी मछलियों को बचाने के लिए इंतजाम यहां समाजसेवियों अथवा नगर निगम आदि की ओर से किए जाते है। लेकिन इस बार प्रशासन का पूरा ध्यान कोरोना नियंत्रण पर होने के चलते झाली तालाब की ओर ध्यान नही दिया गया और आज सुबह जब देखा झाली तालाब में कई मछलिया कचरे के बीच दम तोड़ती पानी की सतह पर नजर आई।

सूचना पर पहुंचा नगर निगम का दल

माता मंदिर के झाली तालाब में मछलियों की दम घुटने से मौत

पत्रिका 13-4-2021

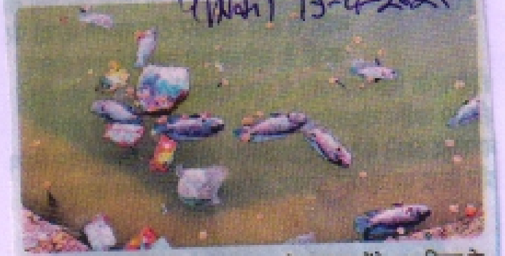

रतलाम. गर्मी बढ़ते ही शहर के अतिप्राचिन कालिका माता मंदिर के करीब बने हुए झाली तालाब में रविवार सुबह कई मछलियों ने ऑक्सीजन की कमी होने से दम तोड़ दिया। बाद में समाजसेवियों ने इसकी सूचना दी तो नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने पहुंचकर चूना डाला व पानी की मात्रा को बढ़ाया।

क्षेत्र के उमाकांत उपाध्याय ने बताया कि सुबह उन्होंने देखा कि तालाब के किनारे कई मछलियां उपर आकर दम तोड़ चुकी है। इसके बाद उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। इस सूचना के बाद नगर निगम का स्वास्थ्य विभाग का अमला आया व पहले पानी की मात्रा को बढ़ाया गया। इसके बाद चूना डाला गया। बता दे कि प्रतिवर्ष गर्मी बढ़ते ही झाली तालाब में मछलियों की मृत्यु दम घुटने से होती है। इसके बाद नगर निगम जागता है। इस वर्ष कुछ दिन पूर्व ही सामाजिक संगठनों ने इसकी सूचना नगर निगम को देते हुए पानी बढ़ाने को कहा था।

पत्रिका
13-4-2021

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–स्वदेश–पृष्ठ 10...दिनांक 10-5.....2021

क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में लिया निर्णय

नई गाइड लाइन के साथ जनता कर्फ्यू 26 अप्रैल प्रात: 6 बजे तक प्रभावशील

अत्यधिक सेवा वाले विभागों का कामकाज यथावत जारी रहेगा

रतलाम ● स्वदेश समाचार 17-5-21

कोरोना संक्रमण के लगातार प्रकरण बढ़ने से रतलाम जिले में 19 अप्रैल प्रात: 6 बजे समाप्त होने वाली तालाबंदी को 26 अप्रैल प्रात: 6 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है, इसे जनता कर्फ्यू कहा गया है। इस संबंध में नई गाइडलाइन भी जारी की गई है।

यह निर्णय जिला क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में लिया गया। जिसमें कलेक्टर गोपालचंद डाड, विधायक चेतन्य काश्यप, दिलीप मकवाना सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि जनता कर्फ्यू की अवधि में अत्यधिक सेवा वाले विभाग यथा राज्य स्वास्थ्य, पुलिस, विद्युत, दूरसंचार, नगरपालिका, पंचायत, रेलवे, बैंक, इत्यादि विभाग से मुक्त रहेंगे, समस्त मेडीकल दुकान, हॉस्पिटल, नर्सिंग होम एवं पैथोलॉजी लैब प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे (कंटेनमेंट क्षेत्र को छोड़कर)।

पेट्रोल पंप खोलने की अनुमति रहेगी, कालिका माता मंदिर एवं त्रिवेणी पर निराश्रित को प्रतिदिन किया जाने वाला भोजन वितरण प्रतिबंध से मुक्त रहेगा, कोरोना कर्फ्यू में सभी केंद्र सरकार राज्य सरकार एवं स्थानीय निकाय के शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को शासकीय कार्य के प्रयोजन से आवागमन प्रतिबंध से मुक्त रहेगा लेकिन उक्त कर्मचारी अपने साथ आईडी कार्ड रखना अनिवार्य होगा।

दूध, सब्जी और किराना का वितरण

घर-घर जाकर दूध वितरण करने वाले दूध विक्रेता तथा दूध पार्लर से पैकेट आपूर्ति हेतु पूर्व में प्रात: 6:00 से प्रात: 10:00 एवं सायं काल 4:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक दूध वितरण करने की अनुमति रहेगी। सब्जी एवं फल फेरीवाले विक्रेताओं को घर-घर जाकर चलित रूप से विक्रय करने की अनुमति प्रात: 8:00 बजे से सायंकाल 5:00 बजे तक रहेगी। किराना दुकानों से होम डिलीवरी प्रात: 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक की जा सकेगी तथा ग्रामीण दुकानदारों की आपूर्ति हेतु सायं 6:00 बजे से प्रात: 10:00 बजे तक कर लाने ले जाने की अनुमति रहेगी। शहरी रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाली किराना दुकानें (स्टैंड अलोन) हेतु प्रात: 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक खोलने की अनुमति रहेगी। गैस एजेंसी द्वारा एलपीजी गैस सिलेंडर का घर-घर चालू रहेगा परंतु उल्लेखित प्रतिबंध अवधि में ग्राहक स्वयं आउटलेट पर नहीं जा सकेंगे। न्यूजपेपर बितरण हेतु प्रात: 6:00 बजे से प्रात: 9:00 बजे तक अनुमति रहेगी। समस्त होटल एवं लॉज में ठहरने वाले गेस्ट को केवल रूम में भोजन परोसने की अनुमति रहेगी। जिले में संचालित टिफिन सेंटर को टिफिन वितरण प्रात: 10:00 से दोपहर 1:00 बजे तक एवं सायं 5:00 से रात्रि 8:00 तक की अनुमति रहेगी। किसानों को अपने खेत पर कृषि कार्य करने हेतु आने जाने की अनुमति रहेगी।

औद्योगिक इकाइयों के श्रमिकों कर्मियों उद्योगों कच्चे माल तथा उत्पाद बीमार व्यक्तियों के परिवहन एवं रेलवे स्टेशन प्रशिक्षणार्थी तथा परीक्षा केंद्र एवं परीक्षा आयोजन से जुड़े कर्मी अधिकारीगण को परीक्षा में शामिल होने उत्तर पुस्तिका संबंधित विद्यालय में जमा करने के लिए आने जाने की छूट रहेगी।

धार्मिक उपासना स्थलों को खोलने बंद करने आरती उपासना हेतु अधिकतम दो व्यक्ति को उपासना स्थल में आवागमन के अनुमति रहेगी। विवाह समारोह में वर-वधू पक्ष के अधिकतम 10-10 व्यक्तियों की अनुमति रहेगी। विवाह समारोह में प्रोसेशन व डीजे पूर्णता प्रतिबंधित रहेंगे। अंतिम संस्कार शव यात्रा कार्यक्रम के दौरान अधिकतम 20 व्यक्तियों की अनुमति रहेगी। उठावना कार्यक्रम के दौरान चलित उठावना अधिकतम एक समय में 20 व्यक्तियों को अनुमति रहेगी।

केवल आपातकालीन उद्देश्यों से चिकित्सा आपात स्थिति को छोड़कर दो पहिया वाहन पर एक व्यक्ति और चार पहिया वाहन पर दो व्यक्ति के अनुमति रहेगी। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में मनरेगा योजना एवं अन्य निर्माणाधीन कार्य करने की अनुमति रहेगी। रबी उपार्जन हेतु संचालित केंद्रों पर जिन किसानों को प्रेषित मैसेज में उल्लेखित दिनांक से अधिकतम 7 दिवस की अवधि में कृषक की उपज की पूर्ण तौल कराने एवं बिल जारी करने हेतु आने-जाने की अनुमति रहेगी। उपार्जन केंद्रों पर लगे सभी कर्मचारी आईडी कार्ड लेकर आएंगे।

सार्वजनिक परिवहन तथा अन्य राज्यों से माल सेवाओं का परिवहन करने वाले साधन जो रतलाम नगरी सीमा से होकर गुजरते हैं वह प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। समस्त होटल, रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल एवं समस्त शराब की दुकानें बार, भांग एवं भांग घोटा की दुकान पूर्णता बंद रहेंगे।

रतलाम नगरी क्षेत्र में संचालित की जाने वाली सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानें खुली रहेंगी, लेकिन अगले 10 दिन तक संबंधित पात्र हितग्राहियों को सूचित कर सीमित संख्या में बुलाकर सामग्री वितरण की जाए तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित की जाने वाली सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकान है अपने निर्धारित समय अनुसार प्रात: 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक सामग्री वितरण हेतु खुली रहेगी। इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, कारपेंटर आदि को केवल होम डिलीवरी कार्य जैसे रिपेयर एवं सर्विस करने की प्रात: 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक छूट प्रदान की गई है। शहरी क्षेत्र में कंस्ट्रक्शन गतिविधियों हेतु ठेकेदार अपने स्थायी कर्मचारी लेकर निर्माण कार्य शर्तों के अधीन कर सकेंगे। निर्माण कार्य में लगे सभी व्यक्तियों को मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना एवं साथ ही हाथ धोने की समुचित व्यवस्था को जाना अनिवार्य होगा। निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री की डिलीवरी केवल निर्माण स्थल पर ही हो सकेगी। कृषि संबंधी सेवाएं, कृषि उपज मंडी उपार्जन केंद्र, खाद-बीज व कीटनाशक दवाएं, कस्टम हायरिंग सेंटर, कृषि यंत्र की दुकानें को केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ही होम डिलीवरी करने की छूट रहेगी। कोरोना कर्फ्यू अवधि में अनाज व्यापारी को ग्रामीण क्षेत्र में जाकर उपज की खरीदारी करने की अनुमति रहेगी।

171 नए मरीज मिले, चार की मौत, अब तक 7879 लोग संक्रमित, 6565 हुए स

रतलाम। जिले में कोरोना संक्रमण की भयावह स्थिति निर्मित हो गई है। लगातार संक्रमितों की संख्या नए रिकार्ड बना रही है। शुक्रवार को 195, शनिवार को 206 के बाद रविवार को 171 नए मरीज मिले। चार मौत भी हुई। 95 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 1174 है। मालूम हो कि जिले में अभी तक 7879 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 6565 स्वस्थ हुए और 140 की मौत हो गई।

गंभीर मरीजों की जबरन छुट्टी!

सैलाना विधायक हर्ष विजय गेहलोत ने शासकीय मेडिकल कालेज की डीन डा. शशि गेहलोत को पत्र लिखा है। इसमें कोरोना के गंभीर मरीजों की जबरन छुट्टी करने पर गहरी चिंता जताते हुए डिस्चार्ज मरीजों की विस्तृत जानकारी देने की मांग की गई है। गेहलोत ने पत्र में बताया कि कोरोना के जिन मरीजों की छुट्टी की जा रही है, उनके बारे में पूरा अध्ययन नहीं किया जा रहा है तथा गंभीर स्थिति होने के बाद भी उनकी जबरन छुट्टी की जा रही है। ऐसा ही एक प्रकरण उनके संज्ञान में आया है जिसके दस्तावेज भी पत्र के साथ संलग्न किए गए हैं। मरीज का एचआरसीटी स्कोर 21 है, उसका कोविड टेस्ट भी नहीं हुआ और तीन दिन भर्ती रखने के बाद 17 अप्रैल को छुट्टी कर दी गई। विधायक ने पत्र में बताया कि यह बड़ा गंभीर विषय है। गंभीर मरीज की छुट्टी करने पर उसकी जान को तो खतरा है ही तथा अन्य व्यक्तियों के भी संक्रमित होने का अंदेशा है। पत्र में डीन से 14 से 17 अप्रैल तक जिन मरीजों की छुट्टी की गई है, उनकी विस्तृत जानकारी देने और अपने स्तर पर मूल्यांकन करने को कहा गया है।

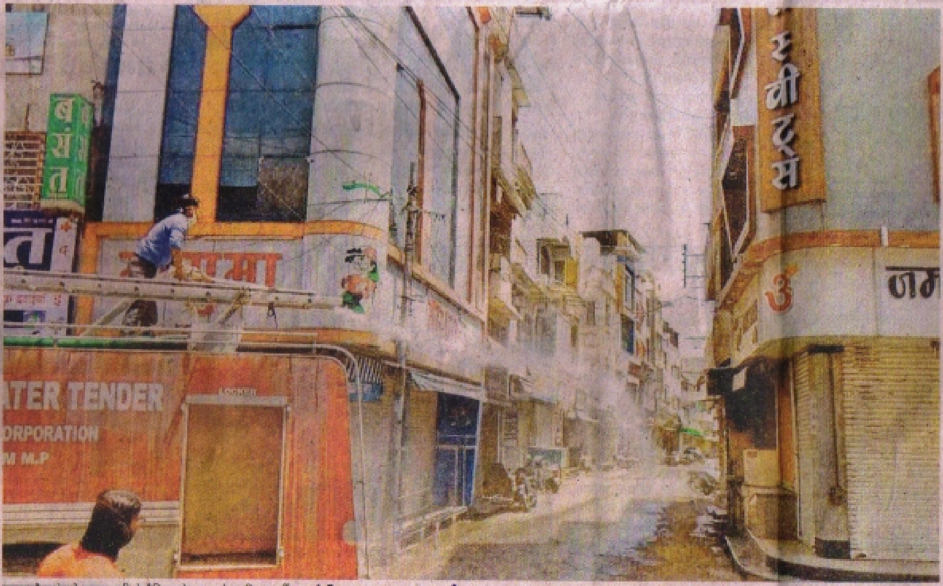

माणकचौक क्षेत्र में फायर लारी से सैनिटाइजेशन करते हुए निगमकर्मी। ●नईदुनिया

19-4-2021

शहर में प्रतिदिन कर रहे सैनिटाइजेशन

शहर में नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लारी व ट्रैक्टर-ट्राली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को एक प्रतिशत सोडियम हाइपोक्लोराइड मिलाकर एक लाख लीटर पानी से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है। रविवार को फायर लारी से अंबिका नगर, न्यू कलेक्टोरेट परिसर, विनोबा नगर मुक्तिधाम, धावरिया बाजार, रामदेवजी की घाटी, चिंतामण गणेश रोड, पैलेस रोड, महलवाड़ा चौराहा, प्रापर्टी कालोनी, चार बत्ती चौराहा, धभाईजी का वास, हाकिमवाड़ा, काजीपुरा, शेरानीपुरा, चौमुखी पुल, मोती बाबजी का मंदिर, भरावा की कुई, कलाईगर रोड, माणक चौक, लक्ष्मी मंदिर, खलूमंदी बाजार, जेल रोड, जिला चिकित्सालय, कालेज रोड, नगर निगम तिराहा सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैंड मशीन के माध्यम से मेडिकल कालेज, माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सैनिटाइजेशन का कार्य किया गया।

रंगोली परिसर में कोरोना का टीका लगवाते हुए नागरिक। ●नईदुनिया

सैलाना रोड पर बंजली स्थित शासकीय मेडिकल कालेज का मुख्य द्वार। ●फाइल फोटो

जिला चिकित्सालय, रतलाम
ओ.पी.डी. का सम
प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे त

जिला अस्पताल में सूनी पड़ी पंजीयन खिड़की। ●नईदुनिया

जिला
मेडिक

रतलाम।
अस्पताल में
संख्या कम
महीने पहले
मरीज आते
600 पर प
है। रविवार
जिला अस्प
संदिग्ध मरी
सर्जन डा.
कि अभी म
मेडिकल क
मरीजों को
अस्पताल
कालेज भेजे
संभल पा र
के तेजी से
के मुताबिक
केयर सेंटर
बेड आवश्य
आसीयू है।
सभी बेड भ
मरीज उपच
कई संदिग्ध
हालात ऐसे
है। अस्पताल
लगा है। अ
बताया कि
रही है। हम
हमारा स्टा
मरीज
मेडिकल क
मांधी और
की पहल प
संगीत सुना
बातचीत की
की व्यवस्था
सेंटर के स
म्यूजिक सि
सकारात्मक
नियमित ए
बीच में संगी

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नई दुनिया–पृष्ठ 3.....दिनांक 19-4......2021

यह युद्ध है, मिलकर लड़ना होगा, 30 तक अनावश्यक घर से न निकलें : शिवराज

19-4-2021

भोपाल (नईदुनिया स्टेट ब्यूरो)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबका सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा है कि कोरोना का संकट बड़ा है। यह एक युद्ध है, जिसमें सबको सारे मतभेद भुलाकर एकजुट होकर लड़ना पड़ेगा। जब तक समाज का पूरा सहयोग नहीं मिलेगा, हम कोरोना को जल्द नियंत्रित नहीं कर पाएंगे। कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ना बहुत जरूरी है, इसलिए 30 अप्रैल तक कोई भी अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकले। गांव, मोहल्लों, कॉलोनियों में लोग स्वप्रेरणा से जनता कर्फ्यू लगाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीमारी के थोड़े भी लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराएं। होम आइसोलेशन या कोविड केयर सेंटर में रहकर इलाज लें। संक्रमण की चेन तोड़ना बहुत जरूरी है। जब तक बहुत आवश्यक न हो तो घर से बाहर न निकलें। मास्क जरूर लगाएं और शारीरिक दूरी का पालन करें। बार-बार साबुन से हाथ धोएं। कोरोना के विरुद्ध लड़ाई में सभी धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक तथा अन्य संगठनों के साथ जनसामान्य सहयोग करें।

सरकारी भवनों में प्रारंभ किए जा सकेंगे निजी अस्पताल: मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के इलाज के लिए सरकार अपने स्तर पर हरसंभव कोशिश कर रही है। इसमें निजी अस्पतालों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि इस समय कोई निजी अस्पताल चालू करना चाहता है, तो उसे शासकीय भवन व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

कोरोना को हराना है...

- मुख्यमंत्री ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सबसे मांगा सहयोग
- कोई भी लक्षण हों तो तुरंत जांच कराकर इलाज कराएं

देशभर में 162 ऑक्सीजन प्लांट लगाने की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डा. हर्षवर्धन ने रविवार को आश्वासन दिया कि राज्यों को हर संभव समर्थन दिया जा रहा है। इसमें रेमडेसिविर दवा का दोगुना उत्पादन और आपूर्ति करना, निर्बाध ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करना, टीकों की निरंतर आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में वृद्धि शामिल है। उन्होंने कहा कि देशभर में 162 ऑक्सीजन प्लांट लगाने को मंजूरी दी गई है। पीएसए संयंत्रों की स्थापना में तेजी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर –पृष्ठ 15....दिनांक 13-5 2021

जीतेंगे हम • गुजरात से लेकर गाजियाबाद तक ऑक्सीजन के लिए एप्रोच, सभी जगह से मिली मद

बेफिक्र रहें, मेडिकल कॉलेज व निजी अस्पताल में 10 दिन तक नहीं होगा ऑक्सीजन का संकट

भास्कर संवाददाता | रतलाम

13-5-2021

कोरोना संक्रमित मरीजों और परिजन को चिंता करने की जरूरत नहीं है। शहर में ऑक्सीजन की कमी फिलहाल दूर हो गई है। मेडिकल कॉलेज के साथ निजी अस्पतालों को पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर मिलना शुरू हो गए हैं। 10 दिन संकट नहीं होगा।

यह सब संभव हो सका है तीन दिन पहले आई किल्लत के बाद जुटे प्रशासन, जनप्रतिनिधि और समाजसेवियों के सहयोग से। मेडिकल कॉलेज को सूरत प्लांट से रोज 8 से 10 केएल लिक्विड ऑक्सीजन मिल रही है। शहर के दोनों प्लांट मालवा और महावीर ऑक्सीजन से रोजाना 300 ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिलिंग कर सप्लाई की जा रही है। खास बात यह है कि आपूर्ति और सप्लाई की प्रशासन खुद मॉनीटरिंग कर रहा है।

कुछ दिन पहले रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी को लेकर अफरा-तफरी मच गई थी। प्रशासन ने इंजेक्शन विक्रय व्यवस्था अपने अधीन कर ली और मॉनिटरिंग का मैकेनिज्म तैयार किया। इस व्यवस्था को पूरे प्रदेश में लागू किया जा चुका है। ऐसे ही जब प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी शुरू हुई जो प्रशासन, जनप्रतिनिधि मेडिकल कॉलेज टीम ने संयुक्त पहल की और ऑक्सीजन की व्यवस्था बहाल की। इससे शहर में ऑक्सीजन से संकट की स्थिति अब नहीं रह गई है।

जम्बो टैंक से 250 सिलेंडर की रोज रिफिलिंग कर रहे हैं

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के कारण प्रदेश में ऑक्सीजन की मारामारी है। शहर में ऑक्सीजन की जो यूनिट है उनमें गैस रिफिलिंग की जाती है। गुजरात, राजस्थान सहित अन्य शहरों से 7 क्यूबिक मीटर गैस के जम्बो सिलेंडर लाए जाते हैं। इन्हें यूनिट में डेढ़ से दो क्यूबिक मीटर के छोटे सिलेंडर में भरा जाता है, चूंकि गैस भरने के दौरान 150 केजी का प्रेशर रहता है। इससे सेफ्टी का पूरा ध्यान रखा जाता है। पूरी यूनिट ऑटोमेटिक कंट्रोल सिस्टम से चलती है। यानी जितनी गैस सिलेंडर में भरना होती है इस सिस्टम से उतनी ही भरी जाती है। एक घंटे में 12 सिलेंडर तैयार होते हैं। एक यूनिट में रोज 250 सिलेंडर तैयार होते हैं। हमारे शहर में सबसे पुरानी यूनिट मालवा आक्सीजन है जो 1980 से संचालित है। यहां 250 सिलेंडर रोज तैयार होते हैं। इसके बाद यहां से इन्हें अस्पतालों में भेजा जाता है। चूंकि कोरोना संक्रमण चल रहा है। इससे पूरी गैस की खपत यहीं होती है।

शहर में कहां-कहां से मिल रही ऑक्सीजन

- **मेडिकल कॉलेज** - अभी कोई कमी नहीं है। हर दि ऑक्सीजन टैंकर पहुंच रहा है, जिससे 10 केएल वाले लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट को हर दिन 8 से केएल ऑक्सीजन मिल रही है। इसे कलेक्टर गोपाल डाड खासतौर पर पुलिस पायलटिंग कर सूरत से टैं मंगवा रहे हैं। इमरजेंसी के लिए 450 सिलेंडर का स्टॉक कर रखा है।
- **मालवा ऑक्सीजन प्लांट** - पहले से अनुबंध होने कारण ऑक्सीजन की सप्लाई लगातार हो रही है। सिलेंडर की रिफिलिंग रोज हो रही, फिलहाल खपत 150 सिलेंडर की है। पहले मेडिकल कॉलेज के लि भी सिलेंडर भरकर जा रहे थे। अब प्रशासन ने कॉ के लिए सिलेंडर भरवाना बंद कर दिया है।
- **महावीर ऑक्सीजन प्लांट** - एक टैंकर से 10 टन ऑक्सीजन आ गई है। ऑर्डर कर रखा है, गाजियाबाद से एक-दो दिन में 20 टन और आ जाएगी। शनिवार को एसडीएम के निर्देश पर 150 सिलेंडर लोकल सप्लाई किए हैं। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज को 700 सिलेंडर भरकर देना है उनकी रिफिलिंग कर रहे हैं।
- **समाजसेवी जुटा रहे** - सोमवार को गाजियाबाद से 2200 सिलेंडर (20 टन ऑक्सीजन) पहुंच जाएंगे वहीं से और सिलेंडर मंगाने की कोशिश भी चल रह है। ये इंतजाम विधायक चेतन्य काश्यप की पहल प समाजसेवी सुशील अजमेरा ने किया है। इसके पहले विधायक काश्यप निंबाहेड़ा में परिचित से 450 सिल जुटा चुके हैं। युवक कांग्रेस अध्यक्ष मयंक जाट 15 सिलेंडर कॉलेज को उपलब्ध करवा चुके हैं। अब कुछ और सिलेंडर एकत्र करने की कोशिश कर रहे

ऑक्सीजन सिलेंडरों की व्यवस्था की

सूरत प्लांट 8 से 10 केएल लिक्विड ऑक्सीजन लेकर हर रोज टैंकर आ रहा है। स्थानीय प्लांट को भी ऑक्सीजन मिल गई है। अफसरों की देखरेख में निजी अस्पतालों को सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा भी व्यवस्था की जा रही है। गोपालचंद्र डाड, कलेक्टर

कोरोना संक्रमितों के लिए जहां से संभव हो पा रहा है, ऑक्सीजन जुटा रहे हैं। इसके लिए समीपस्थ राज्यों और उद्योगपतियों से संपर्क कर रहे हैं। अभी निरंतर सप्लाई बनी हु आगे के लिए भी व्यवस्था बना रहे हैं। चेतन्य काश्यप, वि

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–स्वदेश–पृष्ठ 6 दिनांक 19-5 2021

779 मवेशियों को गौशालाओं में भेजा

स्वदेश 19-5-21

रतलाम ● निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि रतलाम नगर को साफ-स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को दिन में पकड़े जाने के साथ ही अब रात्रि में भी मवेशियों को पकड़ा जाएगा क्योंकि मवेशी पालकों द्वारा दिन में मवेशियों को बांधकर रखा जाता है तथा रात्रि में खुला छोड़ दिया जाता है जिससे शहर में गंदगी होती है। 17 अप्रैल तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 779 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं में भेजा गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै० भास्कर पृष्ठ 2 दिनांक 17-5 2021

गंदगी से झाली तालाब में मरने लगीं मछलियां, निगम ने सफाई कराई

रविवार सुबह झाली तालाब परिसर में मछलियां मरी मिलीं।

भास्कर संवाददाता | रतलाम

17-5-2021

झाली तालाब में गंदगी होने से मछलियां मरने लगी हैं। रविवार सुबह मछलियां मरने की जानकारी नगर निगम को मिली। निगम कर्मचारी मौके पर पहुंचे और वहां से गंदगी हटवाने के साथ तालाब की सफाई करवाई।

रविवार सुबह झाली तालाब में पानी के ऊपर मछलियां मरी नजर आईं। नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के कर्मचारियों के साथ पहुंचे। वहां देखा तो पानी में गंदगी थी। उनके निर्देश पर निगम कर्मचारियों ने पानी की सफाई की। एपी सिंह ने बताया यहां आने वाले लोगों द्वारा बड़ी मात्रा आटा, बिस्किट, बिस्किट के पेपर, प्लास्टिक की थैलियां सहित अन्य सामग्री फेंकने के कारण तालाब का पानी गाढ़ा हो गया और ऑक्सीजन की कमी होने से छोटी-छोटी मछलियां मर गईं। हालांकि एक सप्ताह पहले ही ऑक्सीजन के लिए चूना और पानी डलवाया था। मछलियों को ऑक्सीजन की कमी नहीं हो इसलिए फव्वारा 24 घंटे चलता है। उन्होंने आमजनों से आह्वान किया है कि कम मात्रा में आटा व बिस्किट डालें। साथ ही प्लास्टिक की पन्नियां, बाटल सहित अन्य कचरा तालाब में न डालें।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका–––––पृष्ठ ...5...दिनांक.10-4......2021

बाजार में बेवजह घूमने वालों पर सख्ती

निगम कर रहा सैनेटाइजेशन, दुकान खुली नजर आने पर पुलिस ने कराई बंद

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 19-4-2021

रतलाम. जनता कर्फ्यू के बीच एक बार फिर से बाजार में पुलिस की सख्ती नजर आने लगी है। बीते कुछ दिनों से शहर की सड़कों पर लोगों की भीड़ नजर आने लगी थी जिस पर पुलिस रोक कर पूछताछ तो कर रही थी और कुछ लोगों पर कार्रवाई भी की लेकिन अब पुलिस ने सख्ती को और बढ़ा दिया है जिसका असर रविवार को शहर की सड़कों पर नजर आया।

शहर के बाजार में बेवजह दुकान खुली नजर आने पर पुलिसकर्मियों ने उसे बंद कराया और दुकानदार को चेतावनी भी दी कि यदि फिर से दुकान खुली दिखी तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त शहर के विभिन्न चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात रहे जिनके द्वारा सड़क पर घूम रहे लोगों को रोककर उनसे पूछताछ की गई और बेवजह घूमने वालों पर कार्रवाई भी की गई। वहीं दूसरी ओर निगम की दमकल विभिन्न सड़कों पर सैनिटाइजेशन का काम करती नजर आई।

लॉक डाउन और नियमों का पालन करे

नगर निगम का अब ना चलेगा बहाना, मास्क है लगाना अभियान जारी

रतलाम। कलेक्टर और निगम प्रशासक गोपालचंद डाड और निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशन में कोरोना बचाव का अभियान निरन्तर जारी है। सफाई मित्र समूह की टीम नगर के विभिन्न क्षेत्रों में रांगोली के माध्यम से नागरिकों को निरन्तर कोरोना से बचाओं का संदेश देने के साथ ही आमजन को मास्क का निःशुल्क वितरण कर उन्हे सही ढंग से मास्क पहनने का तरीका भी समझा रही है। इस मौके पर आयुक्त सोमनाथ झारिया ने नागरिकों से आव्हान किया है कि सभी लॉक डाउन का शत प्रतिशत पालन करे। कोविड-19 की चेन तोड़ने का ये सीधा तरीका है। लॉक डाउन के दौरान बहुत ज्यादा जरूरी होने पर ही घरो से निकले, क्युकि आपकी जरा सी चूक आपके और आपके परिवार को संकट मे डाल सकती है। नगर निगम के माध्यम से जगह-जगह सैनेटाईजेशन भी निरन्तर कराया जा रहा है। उन्होने कहा कि नगर निगम अब ना कोई बहाना-मास्क है लगाना अभियान के माध्यम से नागरिकों को कोविड गाईड लाईन का पालन करने की समझाईश दे रहा है। ऐसे मे आमजन भी मास्क का उपयोग, दो गज की दूरी और हाथो की धुलाई से जुड़े उपायों को अपनाए और अपना जीवन सुरक्षित रखे। [illegible] 19-4-2021

[illegible]
19-4-2021

मेडिकल कॉलेज में लापरवाही पर कार्रवाई : डॉ. जितेंद्र गुप्ता होंगे प्रभारी डीन

मेडिकल कॉलेज में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर संभागायुक्त ने डॉक्टर गांधी से लिया डीन का प्रभार

पत्रिका द्वारा लगातार उजागर की जा रही थी मेडिकल कॉलेज में फैली अव्यवस्थाएं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com 13-4-2021

रतलाम. मेडिकल कॉलेज में लगातार फैली अव्यवस्थाओं के बाद आखिरकार संभागायुक्त संदीप यादव ने रतलाम मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. शशि गांधी को सौंपा प्रभार फिर से छीन लिया है। डॉक्टर गांधी को डीन का प्रभार अस्थाई रूप से सौंपा गया था जिसे छीनकर अब यहां की कमान सह अधीक्षक डॉ. जितेंद्र गुप्ता को सौंपी गई है। मेडिकल कॉलेज में हो रही लापरवाही को लेकर पत्रिका द्वारा लगातार अभियान चलाकर यहां की अव्यवस्थाओं की पोल पत्रिका द्वारा खोली जा रही थी जिसके बाद संभागायुक्त के द्वारा यह बड़ा कदम उठाया गया है। वहीं अस्पताल अधीक्षक का प्रभार डॉ. प्रदीप कुमार मिश्रा को सौंपा गया है।

मेडिकल कॉलेज में फैली अव्यवस्थाओं के अतिरिक्त डीन को हटाए जाने के पीछे और भी कई कारण हैं। यहां पर डॉक्टर गांधी को प्रभार सौंपे जाने के बाद से स्टाफमें आपसी खींचतान चल रही थी जिसका खामियाजा कोरोना संक्रमण काल में मरीजों को भुगतना पड़ रहा था। गांधी से डीन का प्रभार छीनने के बाद दूसरे गुट से जुड़े स्टाफ में खुशी है। लापरवाही की हद भी इस कदर बढ़ गई थी कि यहां पर मरीज लगातार दम तोड़ रहे थे।

खबर का असर
पत्रिका

पत्रिका में प्रकाशित

खबर का असर
पत्रिका

पत्रिका में प्रकाशित

खबर का असर
पत्रिका

पत्रिका में प्रकाशित

> हम पहले भी पूरी ताकत से मरीजों के लिए काम कर रहे थे और नया पद मिलने के बाद पूरे जोश के साथ पूरी ताकत से उनकी जान बचाने का प्रयास करेंगे। हमारी कोशिश होगी कि ज्यादा से ज्यादा मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिले और वह स्वस्थ होकर अपने घर जाएं। रतलाम का नाम प्रदेश स्तर पर और आगे बढ़े।
>
> **डॉ. जितेंद्र गुप्ता**, प्रभारी डीन मेडिकल कॉलेज रतलाम

बैठक में कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक को महंगा पड़ा कंटेनमेंट तोड़कर जाना

बैठक के दौरान ही अधिकारियों ने जिला प्रशासन को दी सूचना के बाद हरकत में आया प्रशासन और थाने में दर्ज कराई एफआईआर

रतलाम. बढ़ते कोरोना के प्रकरणों के बीच आम जनता को घर में ही रहने पर जोर दिया जा रहा है। इनके बीच अपने घर पर बने केंटेनमेंट को तोड़कर बेधड़क अधिकारियों की बैठक में शामिल होने पहुंचे कांग्रेस नेता पारस सकलेचा को महंगा पड़ गया है। पुलिस ने सकलेचा के खिलाफ कंटेनमेंट तोड़ने और लॉक डाउन के उल्लंघन का केस दर्ज किया है। उन्होंने ऐसा करके अन्य लोगों की जान जोखिम में डालने का प्रयास किया है।

पत्नी और बेटा हुए थे संक्रमित

कांग्रेस नेता सकलेचा की पत्नी व बेटा कुछ दिन पूर्व कोरोना से संक्रमित पाए गए थे। इस पर उन्हें होम आइसोलेट करते हुए जिला प्रशासन ने उनके घर को कंटेनमेंट बना दिया था। कुछ दिन बाद परिजनों की रिपोर्ट निगेटिव आने पर भी कंटेनमेंट नहीं खोला जाता है जब तक प्रोटोकाल के तहत उसकी समयावधि पूरी नहीं होती है। इसके पहले ही मेडिकल कालेज में 13 अप्रैल को हुई अधिकारियों की बैठक की सूचना मिलने पर सकलेचा अपने घर पर बने कंटेनमेंट को तोड़ते हुए बैठक में पहुंच गए।

जिले में कोरोना के संक्रमण के चलते जहां प्रशासन और पुलिस आम जनता को सावधानी रखने की सलाह देते हुए उन्हें घर में ही रहने की हिदायत दे रहे हैं। वहीं शहर के कांग्रेस नेता पारस सकलेचा ने कोविड.19 के नियमों को धता बताते हुए अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास किया है। 13 अप्रैल को सकलेचा अपने कंटेनमेंट हुए घर से बाहर निकल कर मेडिकल कॉलेज में हुई अधिकारियो की बैठक में जा पहुंचे। मामले का खुलासा होने माणकचौक पुलिस ने नायब तहसीलदार नवीन गर्ग के प्रतिवेदन पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया है।

सकलेचा ने कहा नाकाम छिपाने की कोशिश

कांग्रेस नेता पारस सकलेचा ने एक विज्ञप्ति जारी करके कहा कि जिला प्रशासन और मेडिकल कालेज कोरोना प्रकोप पर उचित समय में उचित कदम उठाने में पूरी तरह असफल रहा है। व्यवस्थाएं पंगू हो गई हैं। इस पर जनप्रतिनिधियों द्वारा दी जा रही सलाह को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। लगता है प्रशासन किसी कठपुतली की तरह काम कर रहा है। मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि मेरे मेडिकल कालेज जाने पर प्रकरण दर्ज किया गया है। ऐसा करके प्रशासन और मेडिकल कालेज अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश की है।

संकलन--नगर निगम, रतलाम अखबार--स्वदेश---पृष्ठ 8....दिनांक.19-4....2021

लगातार बढ़ रहे हैं कोरोना संक्रमित मरीज, प्रभारी मंत्री देवड़ा भी प्रभावित

कंटेनमेंट एरिए से बाहर निकलने पर पूर्व महापौर सकलेचा पर प्रकरण बना

रतलाम ● स्वदेश समाचार 19-4-21

प्रदेश के अन्य जिलों की तरह रतलाम जिले में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। हालात यह हो गई है कि मेडीकल कॉलेज में मरीजों के लिए स्थान कम पड़ रहा है। वहीं ऑक्सीजन और अन्य संसाधनों की कमी के कारण व्यवस्था चरमरा गई है। हालांकि निजी और प्रशासनिक स्तर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति और आवश्यक इंजेक्शन की व्यवस्था की जा रही है, लेकिन विलम्ब होने से कई मरीजों को परेशानी हो रही है। कई महत्वपूर्ण लोग कोरोना संक्रमित हो गए है तो कई परिवारजनों के संक्रमित होने के कारण होम क्वारंटाइन है। इसी बीच कोविड प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा के भी कोरोना पॉजिटिव होने की खबर ने सबको चोंका दिया है।

शनिवार को सबसे अधिक 206 पॉजिटिव मरीज पाए गए। अभी तक 136 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। एक्टिव कंटेनमैंट एरियों की संख्या भी 1825 तक पहुंच गई है। 112 मरीजों की सैम्पल रिपोर्ट मेडीकल कॉलेज तथा 1431 मरीजों की सैम्पल की रिपोर्ट सुपराटेक से आना शेष है। जिले में कुल 1102 पॉजिटिव मरीज उपचार्थ भर्ती है। अभी तक 1110 से अधिक संदिग्ध मरीजों का परीक्षण किया जा चुका है। अभी तक जिले में सात हजार सात सौ आठ मरीज संक्रमित पाए गए है। कोविड जिला प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा भी कोरोना पॉजिटिव हो गए है, जिसकी सूचना स्वयं ने वाट्सएप पर दी है। शनिवार को 197 पॉजिटिव भर्ती मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। यह आंकड़ा भी अभी तक का सबसे बड़ा है। जहां एक साथ इतने मरीजों को स्वस्थ होने पर घर भेजा गया है। कोरोना संक्रमण पर कैसे काबू पाया जाए इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे है। ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति के लिए भी निजी स्तर पर प्रयास जारी है। नगर निगम द्वारा सारे शहर में सेनिटाइजर कराया जा रहा है। इसके साथ ही स्वच्छता अभियान भी शहर में तेजी से चल रहा है। प्रतिदिन रांगोली बनाकर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान का संदेश दिया जा रहा है। प्रतिदिन एक हजार से अधिक रांगोली कई क्षेत्रों में बनाई गई, जिसकी काफी प्रशंसा भी की गई है।

शहर को किया जा रहा है सेनिटाइज

निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने के लिए नगर निगम द्वारा वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराइड से सेनिटाइज किया जा रहा है साथ ही माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाइजेशन किया जा रहा है। इसके लिए 14 टीमें लगाई गई है।

पूर्व महापौर पर प्रकरण बना

पूर्व महापौर पारस सकलेचा द्वारा तालाबंदी का उल्लंघन करने के मामले में माणकचौक पुलिस ने नायब तहसीलदार की रिपोर्ट पर धारा 188 भादवि एवं 51 बी आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। श्री सकलेचा का निवास कोरोना संक्रमित मरीज पाए जाने पर कंटेनमेंट एरिया बना रखा है। उन्होंने कंटेनमेंट एरिये से बाहर निकलकर मेडीकल कॉलेज पहुंचकर बैठक ली, जिससे अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हुआ है। इसी आधार पर उनके विरुद्ध यह कायमी की गई है।

भीड़ इकट्ठी करने पर दुकानदारों पर कार्रवाई

माणकचौक थाना पुलिस ने तीन दुकान संचालकों के खिलाफ धारा 188 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार धानमंडी स्थित अभय ट्रेडर्स किराना दुकान के संचालक अरुण कुमार पिता शांतिलाल जैन, शहर सराय स्थित माहेश्वरी ट्रेडर्स डिस्पोजल सामान दुकान संचालक कमलेश पिता लोकेन्द्र माहेश्वरी एवं शहर सराय स्थित बॉम्बे इलेक्ट्रिक दुकान के संचालक मो. शाकीर पिता छोटे शाह द्वारा अपनी-अपनी दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ इकट्ठी कर रिटेल में सामान विक्रय करते हुए पाए जाने पर नायब तहसीलदार की रिपोर्ट पर तीनों दुकान संचालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार [illegible] पृष्ठ 7.....दिनांक 19-4.....2021

कोरोना से बचाव के लिए नगर में प्रतिदिन किया जा रहा है सेनेटाईजेशन का कार्य

राज 19-4-2021

रतलाम। रतलाम नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व टेक्टर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। 17 अप्रैल शनिवार को फायर लॉरी से घांस बाजार, कलाईगर रोड, डाट की पुल, पीएण्डटी कालोनी, सैलाना यार्ड, टीआईटी रोड, जवाहर नगर सी कालोनी, जवाहर नगर बीमा अस्पताल क्षेत्र, इन्द्रा नगर, मोती नगर, भगतपुरी, त्रिपोलिया गेट, गांधी नगर, तैलियों की सड़क सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयो आदि में सेनेटराईजेशन का कार्य किया गया।

नगर के सेनेटराईज किये जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–दै.भास्कर–पृष्ठ 12....दिनांक...12-4.....2021

माणकचौक थाने में केस दर्ज • जनप्रतिनिधि रह चुके इसके बाद भी शासन की गाइडलाइन को नजरअंदाज किया

घर में कोरोना पॉजिटिव, कंटेनमेंट तोड़कर पूर्व महापौर पारस सकलेचा नेताओं के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे

लॉकडाउन के उल्लंघन पर 7 और लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

12-4-2021

पत्नी और बेटे के कोरोना पॉजिटिव आने पर क्वारेंटाइन किए गए पूर्व महापौर पारस सकलेचा कंटेनमेंट तोड़कर मेडिकल कॉलेज जा पहुंचे। अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण किया। कांग्रेस के साथी नेताओं और अधिकारियों से आमने-सामने बातचीत की। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न होने पर नायब तहसीलदार नवीन गर्ग ने सकलेचा के खिलाफ माणकचौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। लॉकडाउन के उल्लंघन करने पर 7 और लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं।

4 अप्रैल को सकलेचा की पत्नी और बेटे की रिपोर्ट पॉजिटिव मिलने पर पूर्व महापौर पारस सकलेचा को परिवार के साथ घर में क्वारेंटाइन किया था। शांति नगर स्थित उनके निवास को कंटेनमेंट एरिया घोषित किया था। नियमानुसार अगले 14 दिन तक पूर्व महापौर सकलेचा को परिवार के साथ क्वारेंटाइन रहना था। 13 अप्रैल को मरीजों का हालचाल जानने कांग्रेस विधायक और जिला कांग्रेस अध्यक्ष हर्षविजय गेहलोत के साथ आलोट विधायक मनोज चावला, जिला पंचायत पूर्व उपाध्यक्ष वीरेंद्रसिंह सोलंकी तथा अन्य कांग्रेस नेता मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे। पूर्व महापौर सकलेचा कंटेनमेंट एरिया तोड़कर मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। विधायक गेहलोत और चावला पीपीई किट पहनकर मरीजों से मुलाकात कर उनकी परेशानियों के बारे में पूछा और डॉक्टरों से मरीजों की तबीयत के बारे में जानकारी ली। बाद में दोनों विधायक और कांग्रेस नेताओं ने डीन शशि गांधी से मुलाकात की। मुलाकात करने वालों में पूर्व महापौर सकलेचा भी थे। उन्होंने डीन से बातचीत की।

मुझे कंटेनमेंट की जानकारी नहीं थी

जिला अध्यक्ष और विधायक हर्ष विजय गेहलोत ने बताया कांग्रेस नेता सकलेचा का घर कंटेनमेंट एरिया घोषित करने की जानकारी नहीं थी। मेडिकल कॉलेज आए पारसजी ने बेटे के निगेटिव रिपोर्ट की जानकारी दी तो उन्हें भी साथ ले गए। उनकी खुद की रिपोर्ट नेगेटिव है इसलिए साथ जाने में कोई परेशानी नहीं थी।

मैं अटेंडेंट नहीं था, मुझे कोई नोटिस भी नहीं दिया गया है

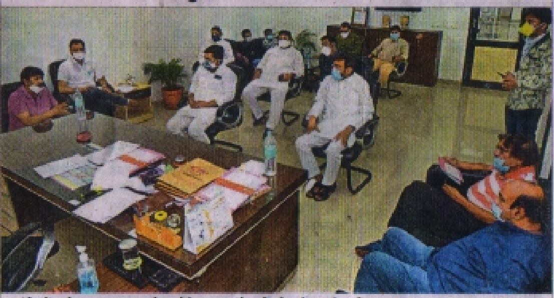

कंटेनमेंट तोड़कर आए सकलेचा मेडिकल कॉलेज में डीन से चर्चा करते हुए।

पूर्व महापौर सकलेचा ने बताया बेटा 25 मार्च को और पत्नी 2 अप्रैल को पॉजिटिव हुई। पत्नी की देखरेख मेरी बेटी कर रही थी। मैं अटेंडर नहीं था। मुझे क्वारंटाइन रहने का नोटिस भी नहीं दिया। मध्यप्रदेश में कंटेनमेंट के लिए केंद्र द्वारा निर्धारित नियमों के विपरीत ज्यादा दिन रोक रहे हैं। मेडिकल कॉलेज की डीन पॉजिटिव होने के 7 दिन बाद काम पर लौट आई थीं। मैं जनहित के काम से मेडिकल कॉलेज गया था।

ये है शासन के नियम

संक्रमित व्यक्ति जो होम आइसोलेशन में है पॉजिटिव सैंपल आने के बाद 14 दिन होम क्वारेंटाइन रहेंगे। इस दौरान दो निगेटिव रिपोर्ट आती है तो भी 7 दिन होम आइसोलेशन में रहेंगे। संक्रमित व्यक्ति एवं उसके परिजन यदि होम आइसोलेशन के बाहर पाए जाते हैं तो उनपर दो हजार रुपए जुर्माना और धारा 188 के तहत प्रकरण दर्ज किया जाएगा। होम आइसोलेट व्यक्ति द्वारा तय मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो रोगी एवं उसके वयस्क देखभालकर्ता अथवा परिजन के विरुद्ध पेनाल्टी और वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। किसी भी स्थिति में संक्रमित व्यक्ति अथवा उनके परिजन होम आइसोलेशन के निर्देशों का उल्लंघन नहीं करेंगे।

गाइडलाइन तोड़ने पर पुलिस दिखा रही सख्ती

लॉकडाउन तोड़ने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती बरत रही है। रविवार को शहर के थानों में 7 और लोगों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किए। जानकारी के अनुसार माणकचौक में पूजन सामग्री की दुकान पर लोगों की भीड़ मिलने पर दीपक पिता समरथमल जैन (45), सोमिल पिता रमेशचंद्र जैन (30) दोनों निवासी पैलेस रोड, विजय पिता मांगीलाल सांखला (52) निवासी माली कुआं, किराना दुकान में भीड़ मिलने पर जौहर पिता गुलाम अब्बास बोहरा (53) निवासी बोहरा बाखल, सुरेश पिता किशनलाल कोटवानी (60) निवासी सिंधु नगर के खिलाफ तथा सागोद रोड पर चाय की गुमटी पर ग्राहक बैठे मिलने पर विक्रम पिता कानजी बसुनिया (32) निवासी खेतलपुर तथा घास बाजार में दुकान पर पोहा-कचौरी खा रहे लोग मिलने पर भोला रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

तेजी से बढ़ रही संक्रमण की रफ्तार... अब आंकड़ा 200 के पार

रतलाम । अप्रैल माह में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से देश-प्रदेश के साथ जिले में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। संक्रमितों के उपचार और जान बचाने में शासन-प्रशासन के तमाम इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं। हर दिन संक्रमितों के साथ मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। कई समाजसेवी और सामाजिक, धार्मिक आदि संस्थाएं-संगठन आगे आकर मदद के हाथ बढ़ा रहे हैं। फिर भी स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है। शनिवार को एक दिन में 206 संक्रमितों के आंकड़े ने पुराने सारे रिकार्ड तोड़ दिए। जिले में लगातार बढ़ रही कोरोना संक्रमितों की संख्या से सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों को रखने की जगह नहीं बची है। प्रदेश के अन्य स्थानों पर ऐसे ही हालात बने हुए हैं। इससे संक्रमित जहां उपचार नहीं मिलने से तड़प रहे हैं, वहीं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वजनों इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ईसके बाद भी स्वजनों को कहीं से राहत नहीं मिल पा रही है। इससे उनमें आक्रोश पनप रहा है और हर दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है।

जिले में कोरोना की स्थिति

कुल संक्रमित : 7,708

स्वस्थ : 6,470

मौत : 136

एक्टिव : 1,102

(जानकारी 17 अप्रैल रात 12 बजे तक की)

ट्रेन में इस तरह की भीड़ के नजारे चिंता का कारण बन रहे हैं। •नईदुनिया

17-4-2021

अप्रैल माह में कहर बरपा रहा कोरोना

बेकाबू हालात

नाकाफी साबित हो रहे शासन-प्रशासन के इंतजाम

कोरोना काल की इस दूसरी लहर में पहले से ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। अभी मास्क और दो गज की दूरी ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार है। स्वयं भी सुरक्षित रहें और दूसरों को भी बचाएं। **- शिवेंद्र माथुर, सांसद प्रतिनिधि, जावरा**

कोरोना से बचाव के लिए मास्क अवश्य पहनें। आप पहनो तो हम सुरक्षित। हम पहने तो आप सुरक्षित। हम सभी पहने तो पूरा देश सुरक्षित। आपदा की इस घड़ी में सभी अपनी जिम्मेदारी समझें। **- विनोद पाटीदार, सहायक सचिव, ग्राम पंचायत भूतेड़ा**

कोरोना से बचाव के लिए सरकार की गाइड-लाइन का कड़ाई से पालन करना होगा। लापरवाही भयावह रूप लेती जा रही है। अभी भी नहीं संभले तो स्थिति और भयावह हो जाएगी। **- कमल मूणत, व्यवसायी एवं पूर्व अध्यक्ष/रीजन चेयरमैन लायंस क्लब**

भारत में एक दिन में दो लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जो अब तक के सबसे ज्यादा मामले हैं। अब सभी को मास्क लगाकर दो गज की दूरी का कड़ाई से पालन करना होगा। **- राजेश खारीवाल, अभिभावक, जावरा**

तेजी से फैल रहे कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना होगा। मास्क लगाने के लिए शारीरिक दूरी का पालन कर कोरोना से बचा जा सकता है।

- शालिनी परमार, रतलाम

प्रत्येक व्यक्ति को कोरोना महामारी को गंभीरता से लेना होगा। बचाव के लिए शासन-प्रशासन की गाइड-लाइन का सख्ती से पालन करना जरूरी है। सावधानी और सजगता से ही हम बचाव कर सकते हैं। **- डा. मुकेश डाबर, रतलाम**

कोरोना की दूसरी लहर ने सभी को चिंतित कर दिया है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मास्क बहुत जरूरी है। सरकार की गाइड-लाइन का पालन करते हुए कोरोना को हराना है। **-मनोहर आंवलिया**

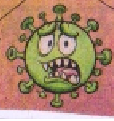

खुद सुरक्षित रहें और देश को सुरक्षित रखें। इस महामारी को हराने में सरकार का सहयोग करें। कोरोना को नियंत्रित करने के लिए संक्रमण की चेन को तोड़ना आवश्यक है। **- दिनेश जैन, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि**

बसों-ट्रेनों में भीड़ से संक्रमण का खतरा

प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर लाकडाउन की समयावधि बढ़ा दी गई है। इससे लोगों की चिंता बढ़ गई है। बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए फिर से लंबे लाकडाउन की आशंका में अन्यत्र रहने वाले परिवार अपने-अपने घरों की ओर कूच कर रहे हैं। इससे लंबी दूरी की ट्रेनों, बसों में भीड़ बढ़ गई है। ट्रेनों और बसों में क्षमता से अधिक सवारियां सफर कर रही हैं। निजी वाहनों से भी अपने-अपने गंतव्य तक पहुंचने का सिलसिला जारी है। गंतव्य तक जाने के पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण कई लोग चिलचिलाती धूप में जान जोखिम में डालते हुए बसों की छतों पर बैठक सफर तय कर रहे हैं। ट्रेनों और बसों में भीड़ के नजारों से संक्रमण का खतरा बढ़ता नजर आ रहा है। हालांकि कुछ ट्रेनें और बसों में इक्का-दुक्का मुसाफिर ही यात्रा करते नजर आ रहे हैं।

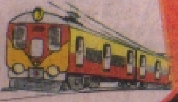

कोरोना कर्फ्यू भी 26 अप्रैल तक बढ़ाया

पहले
19
अप्रैल तक
लाकडाउन
था

कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार तेज होने व बढ़ती मौतों को लेकर शनिवार को हुई क्राइसेस मैनेजमेंट समिति की बैठक में कोरोना कर्फ्यू 26 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। पहले जिले में नौ अप्रैल की शाम छह बजे से 19 अप्रैल की सुबह छह बजे तक नौ दिन का टोटल लाकडाउन का निर्णय लिया गया था। जिसे बढ़ाकर अब 26 अप्रैल की सुबह छह बजे तक कर दिया गया है। हालांकि इस बार छूट के दायरे में कई संशोधन किए गए हैं। इससे आमजन को जरूरी सामग्री के लिए ज्यादा परेशान नहीं होना पड़ेगा।

लगातार महंगा हो रहा खाद्यान्न व तेल

कोरोना काल में लाकडाउन से निम्न व मध्यम वर्गीय परिवारों की हालत पतली होती जा रही है। खाद्यान्न और तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। इससे कई परिवारों को दो वक्त की रोटी का इंतजाम करना मुश्किल हो रहा है। बाजार में खाद्य तेल के दाम गत वर्ष की तुलना में दो गुना से अधिक हो गए हैं। दाल-चावल सहित अन्य खाद्य सामग्री में भी 10 से 30 प्रतिशत की तेजी आई है। आग झरती तेजी से कई परिवारों के बजट भी गड़बड़ा रहे हैं। गत वर्ष 75 से 80 रुपये किलो बिकने वाला सोयाबीन तेल वर्तमान में 150 से 160 रुपये किलो मिल रहा है। इसी प्रकार 60-70 रुपये किलो वाले चावल 100 से 110 रुपये, तुवर दाल 90 से 100 रुपये के स्थान पर 110 से 120 रुपये बिक रहे हैं।

अंबिका नगर में आपदा को बदला अवसर में, मुंह पर मास्क, दूरी रखकर कर स्वच्छता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 13-11-2021

रतलाम. शहर में नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के अंतर्गत अब आमजन भी जुड़ने लगे हैं। इन दिनों स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 चल रहा है। इसी के अंतर्गत सफाई को महत्व दिया जा रहा है। कोरोना वायरस के लॉकडाउन में आपदा को अवसर में बदलते हुए शहर के अंबिका नगर के रहवासियों ने कॉलोनी के खाली पड़ी भूमि के कचरे को पूरा साफ कर दिया। अब शहर में इस कार्य की प्रशंसा हो रही है।

असल में अंबिका नगर में लंबे समय से क्षेत्रवासी कई मांग को लेकर लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे थे। शहर में अविकसीत कॉलोनी के रुप में प्रसिद्ध इस क्षेत्र में शुरू में पेयजल, सड़क, स्वच्छता की कमी थी। इसके बाद कॉलोनी के रहवासियों ने समिति बनाकर विभिन्न सुविधाओं को नगर निगम के साथ मिलकर जुटाया। इन दिनों जब लॉकडाउन लगा व कॉलोनी में खाली पड़े हुए विभिन्न स्थान के प्लॉट पर रहवासियों ने शनिवार व रविवार को दो दिन में कॉलोनी के सभी रिक्त प्लाट की गंदगी व कचरे को साफ कर दिया। अब शहर में इस कार्य की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

सभी प्रेरणा लें इससे अंबिका नगर के रहवासियों ने स्वच्छता के प्रति अपनी जो जागृति प्रकट की है वो प्रशंसनीय है। इससे सभी को प्रेरणा लेते हुए स्वच्छता के प्रति जागृत रहना चाहिए।

- **सोमनाथ झारिया**, आयुक्त नगर निगम

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर --पृष्ठ 1......दिनांक 19...4.....2021

खुले में कचरा डालने पर घर जाकर जुर्माना करेगा निगम

स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग के लिए बनाया दल

भास्कर संवाददाता | रतलाम

19-4-2021

स्वच्छ सर्वेक्षण अच्छी रैंकिंग पाने के लिए सफाई व्यवस्था को मजबूत बनाने के बाद भी नागरिक खुले में कचरा डाल रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए निगम ने स्पॉट दल बनाया है। यह सूचना मिलने पर संबंधित के घर जाकर जुर्माना कर रहा है।

दल अब तक 175 से ज्यादा लोगों पर इसी तरह जुर्माना कर चुका है। साथ ही 50 माइक्रॉन से कम मोटाई की पॉलीथिन को बेचने और इस्तेमाल करने वालों पर नजर रख रहा है। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया शहर में लगातार भ्रमण करने के लिए दल को वाहन उपलब्ध कराया है। इसके अलावा स्वच्छता अधिकारी, निरीक्षण और वार्ड दरोगाओं को भी खुले में कचरा डालने वालों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

कचरा डालने वालों की इन्हें कर सकते हैं शिकायत

दल प्रभारी विराट मेहरा	9770326691
मनोज टांक	7000848456
पवन झांझोट	7000128812
आकाश शिंदे	9424075393
मनोज झांझोट	6268449110
राकेश ललावत	7000128812